>

Title: Need to revise pay scales of Bank employees equivalent to Central Government employees in the country.

श्री कौशलेन्द्र कुमार (नालंदा): बैंकों की, केंद्र प्रायोजित योजनाओं के कार्यान्वयन में एक महत्वपूर्ण भूमिका होती है और बैंक, किसी भी देश के आर्थिक ढांचे की रीढ़ होता है जिस देश का बैंक जितना संपन्न होगा, उस देश का आर्थिक ढांचा उतना ही मजबूत होगा। उस देश का केंद्रीय बैंक जिसे बैंकर्स बैंक भी कहा जाता है, भी मजबूत होगा और देश से मुद्रास्फीति की दर को घटाने का काम करेगा और महंगाई दर भी घटायेगा। सौभाग्य से हमारे देश के बैंक बहुत ही मजबूत स्थिति में है और इसमें इसके कर्मचारियों/अधिकारियों का एक बहुत अहम् रोल है। आज देश में बैंकों का कामकाज बहुत बढ़ गया है , बैंको का कामकाज शिफ्टों में होने लगा है और उनका काम बहुत ही सघन ड्यूटी वाला होता है और कार्य की प्रकृति बहुत बोझिल होती है तथा कार्य भी शून्य गलती वाला होता है तथा पूर्णतः परफैक्शन वाला होता है और भारत को आर्थिक शक्ति संपन्न देश बनाने में इनके रोल की अनदेखी नहीं की जा स कती। लेकिन इनका वेतन, केंद्र/राज्य सरकार के कर्मचारियों/अधिकारियों के समकक्ष नहीं है औन न इन पर वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू नहीं किया जा सकता है। मैं केंद्र सरकार से मांग करता हूं कि बैंक कर्मचारियों/ अधिकारियों का वेतन केंद्र/राज्य सरकार के कर्मचारियों/अधिकारियों के वेतन के समकक्ष लाये एवम् इन पर वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू करने का अदेश दें।